nwda.gov.in

शहरीकरण की गति के कारण जल संरक्षण पर गंभीरता से सोचने की जरूरत : मोदी

जल विजन-2047

- माइक्रो इरिगेशन के दायरे में आई 70 लाख हेक्टेयर जमीन
- जल सुरक्षा पर अभूतपूर्व कार्य और अभूतपूर्व निवेश कर रहा भारत

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को कहा, 'देश में शहरीकरण की बढ़ती रफ्तार के मद्देनजर जल संरक्षण पर ज्यादा गंभीरता से सोचने की जरूरत है। उद्योग और कृषि ऐसे दो प्रमुख क्षेत्र हैं, जिनमें पानी की आवश्यकता अधिक होती है। इन क्षेत्रों को जल संरक्षण अभियान चलाते हुए जनता को जल सुरक्षा के प्रति जागरूक बनाना चाहिए।' प्रधानमंत्री मोदी 'वाटर विजन-2047' के उद्घाटन समारोह को वर्चुअली संबोधित कर रहे थे।

भोपाल में 'वाटर विजन- 2047' विषय पर सम्मेलन के दौरान केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, जल शक्ति राज्यमंत्री प्रहलाद सिंह पटेल, मप्र के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और अन्य। प्रधानमंत्री मोदी ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग से इसे संबोधित किया ● एएनआइ

प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना का उल्लेख करते हुए मोदी ने कहा कि 'पर ड्राप मोर क्राप' अभियान के तहत देश में अब तक 70 लाख हेक्टेयर से ज्यादा जमीन माइक्रो इरिगेशन के दायरे में आ चुकी है। जल संरक्षण से जुड़े अभियानों में सामाजिक संगठनों और सिविल सोसाइटी को भी साथ लेना चाहिए। वाटर विजन-2047 अगले 25 वर्षों की अमृत यात्रा का महत्वपूर्ण आयाम है। कहा, 'जब किसी अभियान से जनता जुड़ी रहती है, तो उसे कार्य की गंभीरता भी पता चलती है। इससे जनता में अभियान के प्रति सेंस आफ ओनरशिप भी आती है।'